दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 157
मुरादाबाद
(Sunday)
27 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

यूपी चुनाव से पहले बढ़ी हलचलः पीएम मोदी से सीएम योगी ने की मुलाकात, बैठक के सियासी मायनों पर टिकी नजरें

36 घंटे बाद मौसम सामान्य होने की संभावना, अतिवृष्टि पर सीएम योगी बोले- इस हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए दिल्ली पहुंचे। उनका यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इसी के चलते राजधानी में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है।उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सूबे के सियासत में अभी से गर्मी बढ़ती नजर आ रही है। इस बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को

दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर योगी आदित्यनाथ का दिल्ली दौरा और शीर्ष नेतृत्व से उनकी मुलाकात को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली दौरे पर सीएम योगी आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात करेंगे। सियासी गलियारों में पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं को भी तेज कर दिया है। शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी बैठक को लेकर कई तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, मुलाकात के एजेंडे को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा की संभावना-चुनावी तैयारियों पर चर्चा= मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात में बैठक का उद्देश्य 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की शुरुआती रणनीति तय करने और राज्य में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करने पर केंद्रित हो सकती है।नेतृत्व को लेकर स्थिति= यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बीते दिनों सूबे के मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा को लेकर एक बयान दिया था।

सामने आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी सत्ता बरकरार रखने की चुनौती होगी। ऐसे में मुख्यमंत्री का शीर्ष नेतृत्व से संवाद चुनावी तैयारियों के लिहाज से भी अहम हो सकता है। शीर्ष नेतृत्व के साथ मुलाकात पर नजर-योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच होने वाली मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा है। सीएम योगी और केंद्रीय नेतृत्व के बीच बातचीत को राज्य की आगे की राजनीतिक दिशा से जोड़कर देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री और केंद्रीय नेतृत्व के बीच समन्वय को हमेशा महत्वपूर्ण माना जाता है। चुनाव से पहले दोनों नेताओं के बीच बातचीत राज्य से जुड़े राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हो सकती है।फिलहाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे ने उत्तर प्रदेश की आगामी चुनावी राजनीति को लेकर चर्चा तेज कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी से उनकी मुलाकात के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बैठक में किन मुद्दों पर बातचीत हुई और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर नेतृत्व के स्तर पर क्या रणनीति सामने आती है।उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के बीच राहत और बचाव व्यवस्था सक्रिय है। 63 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज हुई है। प्रशासन को प्रभावित परिवारों की मदद, फसलों और मकानों के नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। सीमावर्ती जिलों में नदियों के जलस्तर पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।उत्तर प्रदेश में पिछले 48 घंटों से जारी भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए योगी सरकार ने राहत एवं बचाव व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय रखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रहा है।राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने शनिवार को प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर परिस्थिति में आमजन की जान-माल की सुरक्षा जिलाधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।राहत आयुक्त ने नेपाल में हो रही भारी बारिश के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों, विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में नदियों के जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा। संबंधित जिलाधिकारियों को नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखने और बाढ़ राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखने के लिए कहा गया है। 36 घंटे बाद मौसम सामान्य होने की संभावना-भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी 36 घंटों के बाद प्रदेश में मौसम सामान्य होने की संभावना है। राहत आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। उन्होंने लोगों से प्रशासन और मौसम विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल सहायता के लिए राहत हेल्पलाइन 1070 पर संपर्क किया जा सकता है। 63 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश-राहत आयुक्त ने बताया कि प्रदेश के 63 जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे प्रदेश में सामान्य से 19 गुना अधिक वर्षा हुई। फर्रुखाबाद में सामान्य से 200 गुना, कानपुर नगर में 160 गुना, कन्नौज, कानपुर देहात और हरदोई में सामान्य से 130 गुना अधिक वर्षा दर्ज की गई है। भदोही, देवरिया और अलीगढ़ में सामान्य वर्षा हुई, जबकि गाजीपुर में सबसे कम बारिश दर्ज की गई। वहीं बागपत, गाजियाबाद, मथुरा, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ में वर्षा नहीं हुई। पिछले 48 घंटों में अतिवृष्टि और आंधी-तूफान के कारण प्रदेश में 117 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। राहत आयुक्त ने संबंधित जिलाधिकारियों को प्रभावित परिवारों को पूरी संवेदनशीलता के साथ अनुमन्य सहायता राशि तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने भारी बारिश से हुई क्षति का तत्काल सर्वेक्षण एवं आकलन कराने और प्रभावित लोगों को नियमानुसार राहत सहायता शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा है। साथ ही फील्ड अधिकारियों को बारिश से फसलों को हुए नुकसान का त्वरित आकलन कराने का निर्देश दिया गया है, ताकि प्रभावित किसानों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जा सके।राहत आयुक्त ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि आवश्यकता के अनुसार फायर सर्विस, पीएसी, सिविल डिफेंस, होमगार्ड और आपदा मित्रों की सेवाएं ली जाएं। सभी राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय रखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर भ्रमण और निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिलाधिकारियों को स्वयं फील्ड में रहकर स्थिति का लगातार आकलन करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं। योगी सरकार की ओर से प्रशासन को स्पष्ट किया गया है कि प्रतिकूल मौसम के दौरान आमजन की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कच्चे मकानों और जलभराव वाले क्षेत्रों पर विशेष नजर-लेखपालों और ग्राम विकास अधिकारियों के माध्यम से कच्चे मकानों के आस-पास जलभराव की स्थिति का तत्काल संज्ञान लेने के निर्देश दिए गए हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था के साथ कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक कदम उठाने को कहा गया है। जरूरत पड़ने पर ऐसे परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश हैं।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट का अहम फैसला : सीजनल कलेक्शन अमीनों को भी मिलेगा पुरानी पेंशन का लाभ

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांदा जिले के तीन सेवानिवृत्त कलेक्शन अमीनों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पेंशन के लिए अर्हकारी सेवा की गणना में नियमितीकरण से पहले की सीजनल सेवा को भी शामिल किया जा सकता है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांदा जिले के तीन सेवानिवृत्त कलेक्शन अमीनों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पेंशन के लिए अर्हकारी सेवा की गणना में नियमितीकरण से पहले की सीजनल सेवा को भी शामिल किया जा सकता है। हालांकि, पेंशन की राशि नियमित सेवा अवधि के आधार पर ही तय होगी। न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने राम सनेही एवं दो अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया।

याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति वर्ष 1989 और 1990 में बांदा जिले की सदर, बबेरू और अतर्रा तहसीलों में सीजनल कलेक्शन अमीन के पद पर हुई थी। उनकी सेवाएं क्रमशः 2005 और 2009 में नियमित हुईं। तीनों वर्ष 2019, 2021 और 2022 में सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद पुरानी पेंशन का लाभ मांगने पर विभाग ने 12 अप्रैल 2023 को उनकी अर्जी खारिज कर दी थी।विभाग का कहना था कि उन्होंने न्यूनतम अर्हकारी सेवा पूरी नहीं की है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की जयंतीः प्रधानमंत्री ने किया नमन, खरगे बोले- आर्थिक सुधारों ने बदली भारत की तस्वीर

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओं ने उन्हें याद किया। पीएम मोदी ने उनकी जनसेवा को नमन किया। खरगे ने उन्हें दूरदर्शी राजनेता बताते हुए उनके योगदान को श्रद्धांजलि दी।आज पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने याद किया । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्होंने एक दूरदर्शी राजनेता बताया, जिनके अहम आर्थिक सुधारों ने भारत की तस्वीर बदल दी। पीएम मोदी ने क्या कहा? -प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, %हमारे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में कई साल बिताए और पूरी निष्ठा के साथ देश की सेवा की।वहीं, मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, %विनम्रता, ईमानदारी और समझदारी मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व की पहचान थी। उन्होंने शांत गरिमा और संवेदना के साथ नेतृत्व किया। खरगे ने अपनी पोस्ट में कहा, हम भारत के राष्ट्र-निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के असाधारण योगदान को गहरे सम्मान के साथ याद करते हैं। एक दूरदर्शी राजनेता के तौर पर, उनके अहम आर्थिक सुधारों ने भारत की विकास की दिशा बदल दी। नए मौके पैदा किए और लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद की।। सिंह की जयंती पर उन्होंने कहा, हम उस राजनेता को दिल से श्रद्धांजलि देते हैं, जिनकी ईमानदार जनसेवा, समावेशी विकास और बदलाव लाने वाले सुधारों की विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि-कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यहां अकबर रोड स्थित एआईसीसी कार्यालय में सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी एआईसीसी कार्यालय में सिंह को श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री के आवास पर उनके परिवार की ओर से एक प्रार्थना सभा भी आयोजित की गई। राहुल गांधी इस सभा में शामिल हुए। राहुल गांधी ने एक्स पर क्या लिखा?- विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा,अपनी विनम्रता, ईमानदारी और दूरदर्शिता से उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय को एक नई दिशा दी। उनके ऐतिहासिक फैसले और भारत के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की जयंती पर, मैं उन्हें सादर नमन करता हूं।दो साल के प्रधानमंत्री रहे हैं मनमोहन सिंह डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1932 को गाह (जो अब पाकिस्तान में है) में हुआ था। उनका निधन 26 दिसंबर, 2024 को हुआ। सिंह 2004 से 2014 तक लगातार दो कार्यकाल के लिए भारत के प्रधानमंत्री रहे। उससे पहले, तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री के तौर पर देश में आर्थिक सुधारों और उदारीकरण की अगुवाई करने के लिए उन्हें जाना जाता था।

फॉर्म 6 में किए गैरकानूनी बदलावः जयराम रमेश ने ज्ञानेश कुमार पर लगाए आरोप, सुप्रीम कोर्ट से की मांग

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मतदाता पंजीकरण के फॉर्म 6 में बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि नए प्रावधानों से पहली बार वोट देने वाले युवाओं के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया कठिन हुई। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जवाबदेही की मांग करते हुए बदलाव को लेकर कानूनी सवाल उठाए।कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद जयराम रमेश ने चुनाव आयोग पर मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में बदलाव कर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के सामने कथित तौर पर परेशानी खड़ी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जवाबदेही की मांग की।

चुनाव आयोग की ओर से युवा मतदाताओं के लिए विशेष नामांकन शिविर आयोजित करने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए रमेश ने आरोप लगाया कि आयोग ने इससे पहले नए मतदाताओं के पंजीकरण को मुश्किल बनाने के लिए फॉर्म 6 में बदलाव किए थे। उन्होंने इस बदलाव को पूरी तरह अवैध और असंवैधानिक बताया।रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कल देर रात घबराए हुए चुनाव आयोग ने अधिकारियों को युवा मतदाताओं के लिए विशेष नामांकन शिविर आयोजित करने और सोशल मीडिया के जरिए उनका 'व्यापक प्रचार' करने का निर्देश दिया। लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ने इससे पहले फॉर्म 6 में ऐसा बदलाव किया था, जिससे युवा मतदाताओं को जोड़ना लगभग असंभव हो गया था।उन्होंने आरोप लगाया कि फॉर्म 6 में एक नया अनिवार्य हिस्सा जोड़ा गया, जिसमें आवेदक से यह जानकारी मांगी गई कि उसके माता-पिता या दादा-दादी पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का हिस्सा थे या नहीं। रमेश के अनुसार, इससे पहली बार मतदान करने वाले जेन जी मतदाताओं के लिए पंजीकरण में बाधा पैदा हुई।रमेश ने बदलाव को गिनाईं कौन सी तीन आपत्तियां? उल्लंघन 1= जुलाई 2026 की शुरुआत में ऑनलाइन फॉर्म को बिना किसी आधिकारिक अधिसूचना के चुपचाप बदल दिया गया। उल्लंघन 2= चुनाव आयोग के पास फॉर्म 6 में संशोधन करने का अधिकार नहीं है। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 के तहत यह अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है। यह चुनाव आयोग की ओर से अधिकार क्षेत्र का बड़ा अतिक्रमण है। उल्लंघन 3= फॉर्म को पंजीकरण नियम, 1960 के तहत बनाए गए नियमों में किसी संशोधन के बिना बदला गया। ऐसा केवल केंद्र सरकार कर सकती है और इसके लिए संसद को उचित जानकारी देना जरूरी है। रमेश ने आरोप लगाया कि कानून में तय वैधानिक फॉर्म को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के कहने पर एकतरफा तरीके से बदल दिया।

संपादकीय Editorial

Voters Whoever the Commission Wants

Nearly 98-year-old L.K. Advani has served as the Deputy Prime Minister and Home Minister of India. He was also elected as a Lok Sabha MP from New Delhi. The Election Commission has issued notices to him, his daughter Pratibha, and daughter-in-law, regarding their inclusion in the voter list. Notices have also been sent to the country's current Foreign Minister, S. Jaishankar, his Japanese wife, and Foreign Secretary, Vikram Misri. The Election Commission also has doubts about the voter status of Delhi's current Chief Minister, Rekha Gupta, and Arvind Kejriwal, who served as Chief Minister for 10 years. While Chief Minister Rekha Gupta's case has been resolved, the Commission has questions about Kejriwal, his 85-year-old parents, his wife, a former IRS officer and government pensioner, and his son's voter status in Delhi. Therefore, they will have to respond to the notices. The Commission's objections to Kapil Sibal, the former Law Minister, former Chandni Chowk MP, current Rajya Sabha MP, and renowned Supreme Court lawyer, being a voter are more or less beyond our understanding. Even the current Election Commissioner, S.S. Sandhu, who is the equivalent of Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar Gupta, has been served a notice stating that the spelling of his name does not match the 2002 records, demanding clarification. It's ridiculous that the Election Commission has issued notices to prominent figures like CBI Director Praveen Sood, former Army Chief General Upendra Dwivedi, former Supreme Court Judge Justice Ranjana Desai, SEBI Chairman Tuhin Kant Pandey, and Union Health Secretary Punya Salila. Who will listen to the cries, cries, and pleas of ordinary voters? Even the names of CAG chief K. Sanjay Murthy's parents are missing. While sending notices may be a routine procedure by the Election Commission, we firmly believe that all these names will eventually be added to the Delhi voter list. Will the Election Commission apologize for its incompetence?Indeed, our fundamental and serious question concerns the format of the "Special Intensive Review" (SIR). We pity the intelligence and common sense of the officials conducting this exercise. Gyanesh Kumar is also a collective "villain." Does Article 324 and 325 of the Constitution grant the Election Commission special powers, stating that only those selected by the Election Commission will be eligible as voters? But Article 326 also provides that every adult citizen of the country over 18 years of age will be an "authorized voter." Why is this right to vote being taken away? Nearly 130 million voters have already been deleted under the SIR. There could be various reasons for this. People may have "deceased," and new voters may have been added! This is not a normal number of people losing their voting rights, and the SIR is still ongoing. Why does the question of whether the Commission should disclose the deleted names, including classification, to the Supreme Court and inform the country from there remain unanswered? Gyanesh Kumar Gupta is not even the "supreme" of the Constitution. He is granted the responsibilities and privileges of this position under the Constitution itself. In fact, the very prominent figures we mentioned have already been declared elected, and this was done by the Commission itself, and these people have been voters for decades. Advani and Kejriwal's parents' ages suggest they must have been voting for 60-70 years, yet suddenly this is being questioned! Has the definition of a voter changed now, and they will be determined based on the 2002 voter list? Is this some kind of "Brahma Granth"? This revision should be based on the voter's.

Independence must be accompanied by accountability: The judiciary is the guardian of democracy, commitment to the highest standards is essential.

Recently, a question by senior advocate Harish Salve has brought judicial accountability back into the spotlight. The judiciary is the guardian of democracy; to protect its reputation, it is essential that it itself be committed to the highest standards of law, procedure, and accountability. Senior advocate Harish Salve's question regarding the cash scandal involving Justice Yashwant Verma has brought the issue of judicial accountability back into the spotlight. In the sixth Ram Jethmalani Memorial Lecture on September 14, 2026, Salve asked whether, if such an incident had occurred at a minister's home, would the law have proceeded in the same manner as in Justice Verma's case. He also questioned how judicial independence can be considered separate from accountability. He further stated that the two are not contradictory, but complementary.

Harish Salve has given voice to the concerns of citizens who consider the judiciary the ultimate constitutional guardian of democracy and want to see its prestige at its highest. Citizens look to the judiciary for protection of their rights, checks on power, and the rule of law. Therefore, protecting judicial independence is essential. But independence cannot mean freedom from accountability. Independence gives judges the power to make decisions free from external pressure, while accountability ensures that this power is exercised in accordance with law, morality, and institutional decorum. The Indian Constitution clearly emphasizes this balance. Article 14 is the foundation for equality before the law, and Article 50 provides for the separation of the judiciary from the executive. Article 124(4) provides that a Supreme Court judge can be removed on the grounds of proven misbehavior or incapacity, only after a process involving a special majority of both Houses of Parliament. Article 124(5) empowers Parliament to determine by law the process for this investigation and conviction. Articles 217 and 218 apply this constitutional provision to High Court judges. Its purpose is to protect judges from political and administrative pressure. However, the stringent constitutional process for removing a judge from office does not obviate the need for an effective system for investigating serious conduct complaints. The judiciary has developed a system called "in-house procedures" to deal with complaints against judges. One of its objectives is to protect judges from baseless complaints and undue pressure. However, internal investigations, criminal investigations, and the constitutional process for removing a judge from office are distinct. Therefore, the relationship, limits, and circumstances for action between them need to be more clear. Transparency does not mean making every complaint public. The confidentiality of the complainant, the judge's reputation, the impartiality of the investigation, and judicial independence all need to be taken into account. Chief Justice Surya Kant himself stated at the same event that the judiciary must remain open to impartial, informative, and constructive criticism. No institution can insulate itself from investigation. He described the existing complaint system against judges as robust and timely, while also acknowledging the potential for improvement.

The question of judicial accountability extends not only to complaints, but also to judicial appointments and transfers. In this context, the experience of the National Judicial Appointments Commission (NJAC) is significant. The 99th Constitutional Amendment altered the appointment system and added Articles 124A, 124B, and 124C. However, in 2015, the Supreme Court declared the 99th Constitutional Amendment and the NJAC Act unconstitutional in terms of the independence of the judiciary and the basic structure of the Constitution.

Even after this decision, the question of reform in judicial appointments remains unresolved. If a judicial commission is considered in the future, its structure should be such that it safeguards the independence of the judiciary, balances the role of the executive, ensures transparency in the selection process, and prevents undue control by any single institution.

Similarly, a modern judicial accountability law could be considered under Article 124(5). It could provide for preliminary screening of serious complaints, independent investigation, a time-bound process, protection from conflicts of interest, necessary transparency, and, where there is a prima facie question of guilt, coordination with the relevant criminal law. Such a law could enhance judicial independence. Judicial independence is a crucial element of the Constitution's basic structure. Therefore, the accountability system should ensure accountability within independence, rather than external control. True institutional reputation is built not by suppressing questions, but by providing credible answers to appropriate questions. Just as it is essential to protect judges from baseless allegations, it is also essential to impartially investigate serious and credible allegations. The balance between these two is the true test of judicial dignity. The need today is not to put any individual or institution on trial, but to create a system in which judicial independence, equality, fair process, transparency, and accountability are coexisting. Let's move together. Harish Salve's question highlights this broader constitutional concern. The answer lies not in supporting or opposing any individual, but in reforming the system. If the judiciary is the ultimate constitutional guardian of democracy, then to protect its reputation, it is essential that it itself be as committed to the highest standards of law, procedure, and accountability as it expects from society. To protect the judiciary's reputation, ensure its accountability, for it is not an opponent of freedom but its trusted guardian. This is the demand of democracy and the path to maintaining public trust over the long term.

So that health becomes a way of life: A move from treatment to prevention is just a beginning, when will BRICS achieve real success?

BRICS's move from treatment to prevention is just a beginning. But its true success will come when health becomes a way of life. So that health becomes a way of life: A move from treatment to prevention is just a beginning, when will BRICS achieve real success? India, which delivered the message of "One Earth, One Family, One Future" at the G-20, has also taken a similar initiative at this BRICS summit, emphasizing disease prevention over cure. Now the question is not only how to provide better treatment for illness, but also how to reduce the incidence of illness. Hospitals, medicines, and treatment are essential, but does health only mean receiving better treatment after illness?

The BRICS health agenda now appears to be attempting to answer this very question. Recently, the declaration issued at the BRICS Health Ministers' meeting in Chandigarh outlined a roadmap until 2029. It emphasizes dietary, physical activity, and behavioral changes to prevent obesity and other non-communicable diseases. Healthy eating is given special attention in this plan, and policy and awareness initiatives are called for to reduce the consumption of excess sugar, salt, unhealthy fats, and processed foods. This means more than just telling people what to eat and what not to eat; it goes beyond that. Therefore, the declaration proposes various campaigns for the coming years. According to the declaration, campaigns will focus on reducing sugar, salt, and oil consumption in 2027, physical activity for all in 2028, and healthy eating and increasing understanding of food labels in 2029. This approach is also important for India, as the burden of non-communicable diseases has steadily increased. According to the World Health Organization, 49% of all deaths in India in 2021 were due to non-communicable diseases. Furthermore, approximately 220 million people in the country are affected by high blood pressure, but only 12% have it under control. This makes it even more important to reduce the risk of the disease before improving its treatment potential. While diet, physical activity, and regular checkups may seem simple, they have a significant impact on the burden on hospitals. Therefore, the roadmap calls for the participation of health, education, food systems, urban development, media, academic institutions, and society.

Furthermore, BRICS has emphasized bringing mental health services closer to the community, increasing the use of primary health care systems and digital technology, and increasing understanding of mental health, early detection, and timely intervention. This change is also important because mental health problems are often taken seriously only when they have become severe. According to the National Mental Health Survey, the current prevalence of mental health problems in India was 10.6%, and the treatment gap for different mental disorders ranged from 70 to 92%. This means that a large number of people in need are not receiving treatment or assistance.According to documents unveiled at the Bharat Mandapam in Delhi, this BRICS roadmap is not limited to mere messaging. By 2029, its goal is to create a collaborative mechanism that can replicate successful efforts in other countries, enhance technical capacity, collaborate in research and monitoring, and increase the use of digital technology to promote healthy lifestyles. However, the most important point here is that this is just the beginning, not the destination. Many of the steps in the roadmap are voluntary for member countries, and they are given the flexibility to adapt them according to their own circumstances. Therefore, the real question that will emerge in the coming years is whether this thinking will transcend government campaigns and reach people's habits. Will healthy eating become an easy option? Will walking and play spaces increase in cities? Will talking about mental health become normalized?

मुरादाबाद में झमाझम बारिश: तापमान गिरने से ठंडक का एहसास, अलर्ट के बाद स्कूल बंद, बिजली आपूर्ति भी प्रभावित

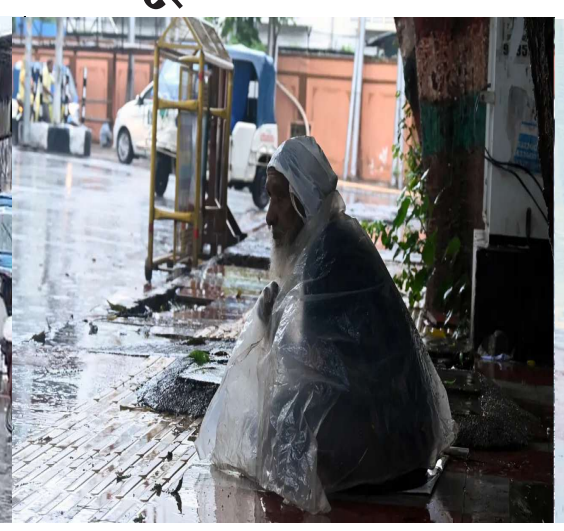

मुरादाबाद में लगातार बारिश के से मौसम का मिजाज बदल गया है। तापमान में गिरावट के कारण ठंडक का एहसास हो रहा है। शहर में कई जगह जलभराव के साथ कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। मुरादाबाद में शुक्रवार रात से शुरू हुई बारिश शनिवार को भी लगातार जारी है। कभी तेज तो कभी हल्की बारिश के बीच मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। तापमान में गिरावट होने से ठंडक का एहसास होने लगा है। लगातार बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव और बिजली आपूर्ति बाधित होने से परेशानी बढ़ गई है। सुबह से लगातार बारिश हो रही है। सड़कों और गलियों में जगह-जगह पानी जमा होने से वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को दिक्कत हो रही है।कई क्षेत्रों में बिजली नहीं आने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। बारिश के कारण सामान्य जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए शनिवार को मुरादाबाद में कक्षा एक से 12वीं तक के सभी विद्यालय बंद रखे गए हैं।सरकारी, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त विद्यालयों के साथ अन्य बोर्डों के स्कूलों पर भी अवकाश का आदेश लागू है। रामपुर और अमरोहा में भी स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है।मौसम विभाग ने भारी बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। बारिश का दौर आगे भी जारी रहने की संभावना है। प्रशासन ने खराब मौसम को देखते हुए लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है।यूपी में आज कैसा रहेगा मौसम?- क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, शनिवार को प्रदेश में बारिश का दायरा और बढ़ने की संभावना है। कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। नेपाल सीमा से लगे तराई क्षेत्र में बारिश का सबसे ज्यादा असर रहने का अनुमान है।

लगातार बारिश के चलते प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया है। मौसम में आई नरमी से लोगों को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन जलभराव और तेज बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है।39 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट- मौसम विभाग ने प्रदेश के 39 जिलों में भारी बारिश की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, कुशीनगर, महाराजगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, कासगंज, मैनपुरी, इटावा और औरैया शामिल हैं।59 जिलों में आंधी, वज्रपात और तेज हवाओं का खतरा-प्रदेश के 59 जिलों में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, इन क्षेत्रों में हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। झोंकों में इसकी गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। प्रभावित जिलों में कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, लखनऊ, मेरठ, बरेली और रामपुर समेत कई जिले शामिल हैं।गोंडा में 28 सितंबर को खुलेंगे स्कूल-बारिश के चलते गोंडा जिले में नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों में शनिवार को भी शिक्षण कार्य बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। डीआईओएस डॉ. रामचंद्र और बीएसए अमित कुमार सिंह ने बताया कि सभी संबंधित स्कूल संचालकों को आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। अब जिले में स्कूल 28 सितंबर को खुलेंगे।

अमरोहा सामूहिक दुष्कर्म केस: खानपुर विधायक ने 2016 में खरीदी थी 100 बीघा जमीन; जेल में करवट बदलते रहे आरोपी

अमरोहा सामूहिक दुष्कर्म केस में जानकारी सामने आई है कि उत्तराखंड के खानपुर विधायक ने यूपी के अमरोहा जिले के हसनपुर में ससुरालियों के साथ मिलकर 100 बीघा जमीन खरीदी थी। पचास बीघा जमीन में विधायक उमेश शर्मा का आलीशान फार्म हाउस बना है। बाकी भूमि में खेती हो रही है। एसडीएम की जांच के बाद रिपोर्ट सामने आई है। राजस्व अभिलेखों की भी जांच हो गई है।हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद उत्तराखंड की खानपुर विधानसभा के विधायक उमेश शर्मा का झूलपुरी स्थित फार्म हाउस भी जांच के घेरे में आ गया है। शुक्रवार को हसनपुर एसडीएम हिंमाशु उपाध्याय राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राजस्व अभिलेखों की जांच की। प्रशासनिक जांच से साफ हुआ कि विधायक ने अपने ससुरालियों के साथ मिलकर 2016 में यहां 100 बीघा जमीन खरीदी थी। पचास बीघा भूमि में फार्म हाउस बना लिया जबकि बाकी में खेती हो रही है। हसनपुर के झूलपुरी गांव में यह फार्म हाउस आलीशान बना है। 22 सितंबर की रात को सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर, हेड कांस्टेबल और हसनपुर कोतवाली के दरोगा तथा सिपाही यहां ठहरे थे। रजबपुर थाने के दरोगा ने इन्हें गृह मंत्रालय की जांच टीम बताकर यहां ठहराया था।यहां हरियाणा निवासी एक युवती भी थी जिसने इन सभी पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को मौके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब पुलिस ने जांच तेज कर दी है। फार्म हाउस के दस्तावेज भी चेक किए जा रहे हैं। शुक्रवार की शाम को एसडीएम हिमांशु उपाध्याय जांच करने फार्म हाउस पर पहुंचे। एसडीएम ने बताया कि फार्म हाउस समेत करीब 100 बीघा जमीन वर्ष 2016 में खरीदी गई थी। राजस्व अभिलेखों के अनुसार झूलपुरी स्थित फार्म हाउस करीब 50 बीघा जमीन में बना है और यह जमीन उत्तराखंड के खानपुर विधायक उमेश कुमार और उनके ससुर प्रदीप किशोर शर्मा के संयुक्त नाम पर दर्ज है।इसके अलावा फार्म हाउस के आसपास करीब 50 बीघा जमीन विधायक उमेश कुमार, उनके साले ऋषि शर्मा और उनकी फर्म डीडी डेवलपर्स के नाम दर्ज मिली है। एसडीएम ने जमीन के स्वामित्व, खरीद और राजस्व इंद्राज से संबंधित अभिलेखों की जानकारी जुटाई। यह भी देखा जा रहा है कि जमीन के इस्तेमाल और फार्म हाउस के निर्माण से संबंधित अभिलेखों की स्थिति क्या है। प्रशासन अब जमीन के मालिकाना हक और उसकी कानूनी स्थिति की रिपोर्ट तैयार कर रहा है।सीआरपीएफ कर्मी भी निलंबित, चारों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू- सामूहिक दुष्कर्म मामले में नामजद अलवर (राजस्थान) निवासी सीआरपीएफ के निरीक्षक लालाराम यादव, मुजफ्फरनगर के सौरंग निवासी हेड कांस्टेबल मोहित को भी निलंबित कर दिया गया है। अब चारों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। चारों नौकरी से बर्खास्त किए जा सकते हैं। चर्चा है कि सीआरपीएफ के दोनों कर्मियों के निलंबन की पुष्टि आईजी सीआरपीएफ ने की है। पुलिस ने घटनास्थल से भी साक्ष्य जुटाए हैं।

आरोपियों और पीड़िता के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। विवेचना में फोरेंसिक जांच की रिपोर्ट अहम मानी जा रही है।सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता ने दर्ज कराया बयान- सामूहिक दुष्कर्म के मामले में शुक्रवार को पीड़िता ने महिला जज के सामने बयान दर्ज कराया। आपबीती बयां करने के दौरान पीड़िता की आंखों में आंसू आ गए। पीड़िता ने बताया कि 20 सितंबर को उसकी भावना नाम की महिला से मोबाइल पर बातचीत हुई थी। भावना ने उसे मुजफ्फरनगर के सौरंग निवासी सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल मोहित से सोनीपत में मिलने के लिए कहा था। इसके बाद वह सोनीपत पहुंची, जहां मोहित ब्रेजा कार में मिला। यहां से दोनों मेरठ पहुंचे थे। वहां मोहित का परिचित सीआरपीएफ इंस्पेक्टर अलवर (राजस्थान) निवासी लालाराम भी कार में सवार हो गया। इसके बाद मोहित दोनों को लेकर हसनपुर आया।22 सितंबर को हसनपुर थाने के गेट पर दरोगा संजय तोमर सादे कपड़ों में कार में सवार हुआ। आरोप है कि इसके बाद सभी झूलपुरी स्थित फार्म हाउस पहुंचे, जहां आरोपियों ने दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने पुलिस को घटना की जानकारी दी। अब न्यायिक अधिकारी के समक्ष पीड़िता के दर्ज हुए बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस विवेचना को आगे बढ़ा रही है। - लखन सिंह यादव, एसपी अमरोहादुष्कर्म पीड़िता और आरोपियों के कपड़े फोरेंसिक जांच को भेजे- हसनपुर के झूलपुरी स्थित उत्तराखंड के निर्दलीय विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस में हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस ने चारों आरोपियों और पीड़िता के कपड़े फोरेंसिक लैब भेजे हैं। फोरेंसिक और फिंगरप्रिंट टीम की ओर से जुटाए साक्ष्य भी जांच को भेजे गए हैं। अब पुलिस को फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है। एसपी लखन सिंह यादव ने बताया कि प्रकरण की विवेचना जल्द ही जिले के किसी वरिष्ठ अधिकारी को सौंपी जाएगी। विवेचना के दौरान आवश्यकता के अनुसार आरोपितों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा सकती है।फार्म हाउस के सील कमरों की सुरक्षा में तैनात किए गए पुलिसकर्मी बृहस्पतिवार को फार्म हाउस में सील तीन कमरों की सुरक्षा के लिए दो पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। जिन दो कमरों में आरोपी और पीड़िता ठहरे थे, उन्हें सील किया गया है। मामले में रजबपुर में तैनात एसएसआई नरेशपाल राणा की भूमिका भी जांच के दायरे में है। आरोप है कि उसने फार्म हाउस के केयरटेकर रामनिवास को फोन कर युवती को गृह मंत्रालय का अधिकारी बताकर ठहराने के लिए कहा था। फिलहाल हसनपुर में तैनात निरीक्षक अपराध अमरपाल सिंह विवेचना कर रहे हैं।सामूहिक दुष्कर्म के तीसरे दिन भी फार्महाउस पहुंचती रही पुलिस- हसनपुर क्षेत्र के झूलपुरी स्थित उत्तराखंड के निर्दलीय विधायक उमेश शर्मा के फार्महाउस में हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना के तीसरे दिन शुक्रवार को भी पुलिस की आवाजाही जारी रही। विवेचना के तहत फोरेंसिक टीम और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट ने फार्महाउस पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ ही विभिन्न स्थानों की जांच की। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को एकत्र कर रही है। एसपी लखन सिंह के अनुसार, जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में नामजद सभी आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।जेल में करवट बदलते हुए कट रहीं आरोपियों की रातें- अमरोहा के फार्म हाउस में हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले सीआरपीएफ इंस्पेक्टर, सिपाही और पुलिस के दरोगा और सिपाही की रात बिजनौर जेल में बंद हैं। इनकी रात करवटें बदलते हुए कट रही है। खाना भी कम ही खा रहे हैं। फिलहाल चारों को बैरक नंबर आठ में रखा गया है। अमरोहा की पुलिस ने 22 सितंबर की रात हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के डीडी फार्म हाऊस से आरोपी दरोगा संजय तोमर, सिपाही प्रमोद और सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर लालाराम यादव व सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल मोहित को गिरफ्तार किया था। अमरोहा की अदालत ने चारों आरोपियों को बिजनौर जेल भेज दिया था।जेलर कस्तूरी लाल गुप्ता ने बताया कि नए बंदी है, इन्हें शुरुआत के कुछ दिनों तक अलग बैरक में रखा जाता है। बाद में चारों बंदियों को अलग अलग बैरक में कर दिया जाएगा। जेलर ने बताया कि दो रातों से चारों बंदी बेहद कम सो रहे हैं। खाना भी भरपेट नहीं खा रहे हैं। शुरुआत में अक्सर ऐसा होता है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल के बरामदे में घूम रहा सांप, अफसरों का काम सिर्फ कागज पर; खतरे में 102 मासूमों की जान

मुरादाबाद के शाहपुर तिगरी प्राथमिक विद्यालय में नाले की खुदाई के बाद सांप निकलने से 102 बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। अधिकारियों द्वारा तत्काल कार्रवाई के बजाय केवल कागजी पत्राचार करने से बच्चों की उपस्थिति भी प्रभावित हुई है।बच्चों के लिए स्कूल का बरामदा खेल गतिविधियों का स्थान होता है, लेकिन प्राथमिक विद्यालय शाहपुर तिगरी में इन दिनों वहां पहुंच रहे सांप डर का कारण बने हैं। बरसात में कई बार सांप विद्यालय के बरामदे तक पहुंच चुके हैं। नाले की खोदाई शुरू होने के बाद पुराने बिलों से सांप बाहर निकलने लगे। विद्यालय प्रबंधन ने अधिकारियों को सूचना दी, मगर बच्चों की सुरक्षा के लिए तत्काल रेस्क्यू या दवा छिड़काव की व्यवस्था नहीं हो सकी। बुधवार को सांप का जोड़ा विद्यालय परिसर में पहुंचा तो एक बार फिर विभागीय मशीनरी सक्रिय हुई।अब बीएसए कार्यालय और नगर निगम को पत्र भेजने के बाद वन विभाग से भी पत्राचार की तैयारी है। सवाल यह है कि जब विद्यालय में सांप आने की जानकारी पहले से थी तो बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्रवाई उसी समय क्यों नहीं की गई?खतरा सामने था, शिक्षक इसकी सूचना दे रहे थे और नाले की खोदाई से स्थिति और गंभीर हो रही थी, फिर भी जिम्मेदार विभागों के बीच समाधान के बजाय पत्राचार चलता रहा।विद्यालय भवन की बाउंड्रीवाल के पीछे नाले की ओर सांपों के पुराने बिल हैं। बरसात के दिनों में यहां से सांप निकलकर विद्यालय परिसर तक पहुंचते रहे हैं। सोमवार से नगर निगम ने नाले की खोदाई शुरू कराई तो बिलों के आसपास की जमीन भी प्रभावित हुई और सांप बाहर आने लगे। विद्यालय की शिक्षिका नीतू सिंह के अनुसार इसकी जानकारी खंड शिक्षा अधिकारी और मौके पर काम करा रहे ठेकेदार को दी गई थी। इसके बाद खंड शिक्षा अधिकारी वेगीश गोयल ने बीएसए कार्यालय और नगर निगम को पत्र भेजा। अब वन विभाग से सांपों को रेस्क्यू कराने के लिए संपर्क करने की बात कही जा रही है। यानी जिस खतरे को तत्काल दूर किया जाना चाहिए था, उसके लिए विभाग अब प्रक्रिया आगे बढ़ाने में जुटे हैं। सांप निकलने का असर बच्चों की उपस्थिति पर भी पड़ा है। 102 बच्चों के नामांकन वाले विद्यालय में पहले दिन 61, दूसरे दिन 76, बुधवार को 62 और गुरुवार को 77 बच्चे ही पहुंचे। शिक्षक बच्चों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। खुले में खेलने पर रोक है और कक्षाओं से बाहर अकेले जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। यह व्यवस्था अपने आप में विद्यालय की स्थिति की गंभीरता बताती है। सवाल सिर्फ सांप पकड़ने का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है जिसमें खतरे की सूचना मिलने के बाद भी कार्रवाई के लिए किसी दूसरे विभाग के पत्र का इंतजार करना पड़ता है। सांप निकलने की जानकारी मिली है। वन विभाग से भी संपर्क किया जाएगा। बच्चों की सुरक्षा पहले है। पूरे प्रयास किए जाएंगे कि बच्चे सुरक्षित रहें।- अमित सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी।

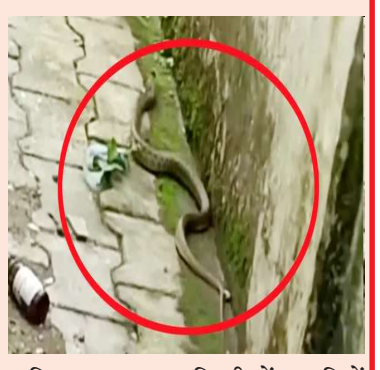

मुरादाबाद के बड़े होटलों की रसोई में मिले चूहे-कॉकरोच, वेज-नॉनवेज भी साथ; रेडिसन समेत कई पर गिरी गाज

मुरादाबाद के होटलों में खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में रसोई में चूहे, कॉकरोच और गंदगी मिली, साथ ही शाकाहारी व मांसाहारी भोजन एक साथ रखे पाए गए। कई बड़े होटलों पर कार्रवाई की गई और लापरवाही बरतने वाले प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए हैं।दूसरे जनपदों की खाद्य सुरक्षा विभाग टीम की जांच में मुरादाबाद के होटलों में मिलीं गंभीर खामियां- लावना एनजीआर समेत कई प्रतिष्ठान कार्रवाई की जद में, फिर होगी रेस्टोरेंट-होटल की जांचहोटलों और रेस्टोरेंट में खाना खाने वालों की सेहत से किस तरह खिलवाड़ हो रहा है, इसका राजफाश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जांच में हुआ है। मुरादाबाद में होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। कई जगह रसोई में गंदगी के साथ कीड़े-मकोड़े और चूहे मिले। फ्रीजर में शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थ भी एक साथ रखे मिले। खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण और रसोई की स्वच्छता के मानकों का पालन नहीं मिला है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

रालोद का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /सैयद सिकंदर रज़ा /~ मुरादाबाद में राष्ट्रीय लोकदल के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन एवं मासिक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सम्मेलन में संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने और चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी और विशिष्ट अतिथि रोहिलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह रहे। मुख्य अतिथि त्रिलोक त्यागी ने चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, मजदूरों, युवाओं, व्यापारियों और समाज के हर वर्ग की आवाज है। उन्होंने कहा कि पार्टी सामाजिक समरसता, भाईचारे और विकास की राजनीति में विश्वास रखती है। त्रिलोक त्यागी ने चौधरी चरण सिंह के देशहित और ग्रामीण भारत के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए कहा

कि जमींदारी उन्मूलन, पटवारी व्यवस्था में सुधार और किसानों के सम्मान की लड़ाई आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पार्टी की जनहितैषी नीतियों और चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को गांव-गांव और प्रत्येक बूथ तक पहुंचाया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनिल चौधरी ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष सुधीर सिंह बिश्नोई ने किया। सम्मेलन में किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव कृष्णपाल राठी, मंडल अध्यक्ष सरजीत चौधरी, पूर्व विधायक विजय यादव, जिला संयोजक राहुल बालियान, प्रदेश महासचिव राजवीर सिंह गुर्जर, अल्पसंख्यक क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शहजाद, राष्ट्रीय सचिव युवा रालोद अभिषेक त्यागी, फ़िज़ाउल्लाह चौधरी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बापू की जयंती पर सपनों का भारत गढ़ेगा बरेली : आश्रमों में सेवा और कर्मवीरों का होगा सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भव्य स्तर पर मनाई जाएगी। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए। डीएम ने मौसम के मिजाज को देखते हुए निर्देश दिया

कि बारिश की आशंका के चलते गांधी जयंती के आयोजनों में छोटे बच्चों को शामिल न किया जाए, ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो। तैयारियों के मुख्य बिंदु-सेवा संकल्प प्रदर्शनी~ जन-प्रतिनिधियों की मौजूदगी में जिला स्तरीय प्रदर्शनी लगेगी, जिसके फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर #मेरे सपनों का भारत हैशटैग के साथ साझा किए जाएंगे। नुक्कड़ नाटक

व सम्मान~ सभी विधानसभाओं में नुक्कड़ नाटकों का मंचन होगा और आंगनबाड़ी केंद्रों पर आशा बहुओं व कार्यकत्रियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

विशेष स्वच्छता अभियान~ नगर निगम को मलिन बस्तियों और चौकी चौराहा स्थित गांधी प्रतिमा पार्क में सघन सफाई के निर्देश दिए गए। वन विभाग पौधारोपण के साथ ट्री-गार्ड लगाना सुनिश्चित करेगा और पुराने पेड़ों के संरक्षण पर काम होगा। आश्रमों में विशेष कार्यक्रम- कुष्ठ आश्रम और वृद्धाश्रम में बापू के सिद्धांतों के अनुरूप रचनात्मक कार्य होंगे। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि सुबह सभी सरकारी भवनों पर ध्वजारोहण, बापू व शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण, विचारों पर गोष्ठी और प्रिय भजन 'रघुपति राघव राजा राम' का सामूहिक गायन होगा। बैठक में एडीएम सिटी, सीएमओ, डीडीओ सहित संबंधित विभागों के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गौ-तस्करों पर गैंगस्टर-हिस्ट्रीशीट का वार, लापरवाही पर नपेंगे थानेदार : SSP

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। कानून-व्यवस्था मजबूत करने और अपराध नियंत्रण के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) बरेली ने Google Meet पर वर्चुअल अपराध समीक्षा बैठक की। एसएसपी ने दो टूक चेतावनी दी कि पुलिसिंग और ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। गौ-तस्करी पर कड़ा एक्शन~ गौवध के मुकदमों में लिप्त अपराधियों पर गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट लगाने, हिस्ट्रीशीट खोलने और वांछितों को तुरंत गिरफ्तार करने के आदेश दिए। लंबित विवेचनाओं का निपटारा- 50 और 90 दिन से अधिक समय से अटकी विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण करने का अल्टीमेटम दिया। बीट गश्त

व वारंटी धरपकड़~ थाना स्तर पर बीट सिस्टम को सक्रिय रखने, नियमित गश्त करने और वारंटियों की धरपकड़ तेज करने को कहा। भाद्रपद पूर्णिमा पर सुरक्षा: 26 सितंबर को गंगा स्नान और पूजा-अर्चना के दौरान घाटों और मार्गों पर पुख्ता सुरक्षा व यातायात प्रबंधन के निर्देश दिए। बैठक में जनपद के एएसपी, सीओ और समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे।

बारिश से हाल बेहाल: सड़कें जलमग्न, रेलवे ट्रैक डूबा, यातायात प्रभावित

रेड अलर्ट से हड़कंप; हर तरफ पानी-पानी

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो /बरेली। दो दिन से बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को दिनभर बूंदाबांदी के बाद शाम को बारिश ने अचानक रफ्तार पकड़ ली, जो शनिवार को जारी रही। जिले में 126 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के चलते तापमान में भी बड़ी गिरावट आई है और मौसम ने सर्दी का अहसास करा दिया है। शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया, वहीं बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

बीते दिवस दिनभर हल्की बारिश होती रही, लेकिन शाम होते-होते बारिश रफ्तार पकड़ कर तेज हो गई।

इससे दफ्तरों और अन्य कामकाजी स्थानों से घर लौट रहे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। निचले इलाकों में पानी भरने से आवाजाही भी प्रभावित हुई।

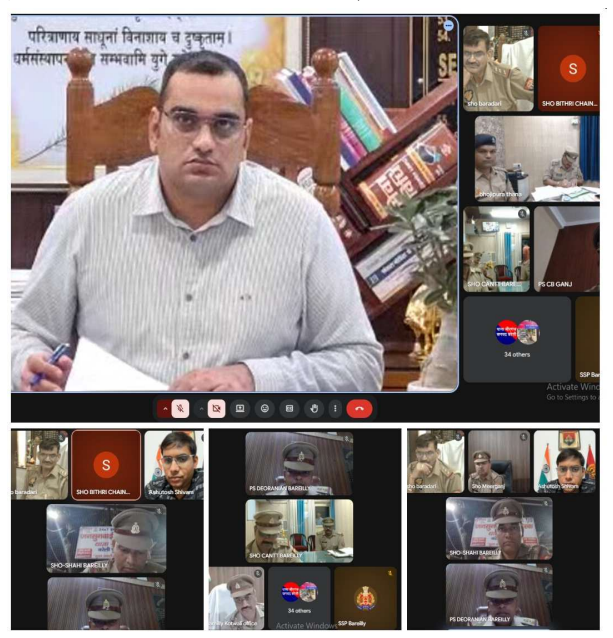

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले तीन दिनों से बादलों के मंडराने के कारण तापमान लगातार गिर रहा है। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 34.7 और न्यूनतम 20.1 डिग्री सेल्सियस था। शुक्रवार को अधिकतम तापमान करीब नौ डिग्री गिरकर 25.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री रहा।

आज बारिश का रेड अलर्ट, 50 किमी की रफ्तार से चल सकती है हवा

मौसम विभाग की ओर से शनिवार को बरेली में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बारिश होने और करीब 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। रविवार को भी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विशेषज्ञ अतुल कुमार सिंह के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बने दबाव का असर प्रदेश के मौसम पर पड़ रहा है। आगामी 12 घंटे तक इसके अपनी तीव्रता बनाए रखने के बाद निम्न दबाव क्षेत्र में बदलने के आसार हैं। 27 सितंबर तक तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। इसके साथ ही तापमान में और गिरावट आ सकती है।

लगातार बारिश ने बरेली में एक बार फिर जलभराव का संकट बढ़ा दिया है। सात सितंबर को हुई 381.1 मिलीमीटर रिकॉर्ड बारिश के बाद बने हालात अभी लोगों के जेहन से निकले भी नहीं थे कि एक बार फिर भारी बारिश ने चिंता बढ़ा दी है। शहर के निचले इलाकों में पानी भरने लगा है। स्टेडियम रोड स्थित रेजीडेंसी गार्डन, कर्मचारी नगर, डीडीपुरम, राजेंद्र नगर, संजय नगर और सिकलापुर समेत कई कॉलोनियों में जलभराव की आशंका से लोग परेशान हैं।

अर्बन को ऑपरेटिव बैंक ने लॉन्च की गेम चेंजर स्कीम, छोटे व्यापारियों को मिलेगा बिना इनकम प्रूफ और बिना गारंटी के लोन

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। डीडी पुरम स्थित अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के मुख्यालय सभागार में बैंक की 30वीं सामान्य निकाय बैठक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा बैंक के मुख्य प्रवर्तक व संरक्षक, झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा बैंक की नई ऋण योजना अर्बन कोऑपरेशन (माइक्रो क्रेडिट) स्कीम का अनावरण किया गया। बैंक अध्यक्षा श्रीमती श्रुति

गंगवार ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि यह स्कीम छोटे व्यवसायियों, फेरी वालों और अल्प आय वर्ग के कर्मियों की व्यावसायिक, घरेलू और आपातकालीन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना में ऋण लेने के लिए किसी इनकम प्रूफ या गारंटर (जमानती) की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि आवेदक के स्व-घोषणा पत्र को ही मान्य किया जाएगा। मुख्य अतिथि सुरेश कुमार खन्ना ने बैंक की व्यावसायिक प्रगति की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।बैठक में बैंक के प्रबंध निदेशक श्रीपाल कश्यप ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के आंकड़े प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के समापन पर बैंक की प्रगति में योगदान देने वाले ग्राहकों को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली शाखाओं व अधिकारियों को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

24 घंटे में किया चोरी खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। थाना हाफिजगंज पुलिस ने कस्बा रिठौरा में कबाड़ की दुकान में हुई चोरी का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का कबाड़, पिकअप वाहन और वारदात में इस्तेमाल किए गए लोहे के कटर, सम्बल, छेनी व हथौड़ा समेत अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस अब आरोपी के साथी की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, रिठौरा कस्बे के जाटवपुरा निवासी अजय सागर ने 24 सितंबर को थाना हाफिजगंज में तहरीर देकर बताया था कि 23/24 सितंबर की रात उनकी कबाड़ की दुकान से अज्ञात चोर तांबा, पीतल, सिल्वर, प्लास्टिक समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान 25 सितंबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने भोजीपुरा तिराहा, कस्बा रिठौरा से प्रकाश में आए आरोपी मो. नाजिम पुत्र मुस्ताक, निवासी चक महमूद, थाना बारादरी, बरेली, उम्र करीब 28 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

चुनाव से पहले पूरे हों एन-कैप के काम, क्वालिटी से समझौता बर्दाश्त नहीं - डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एन-कैप) के तहत चल रहे विकास कार्यों की कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मैराथन समीक्षा की। डीएम ने दो टूक निर्देश दिए कि स्वीकृत सभी परियोजनाओं को चुनाव से पहले हर हाल में पूरा किया जाए और निर्माण की गुणवत्ता में रत्ती भर भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में नगर निगम और पीडब्ल्यूडी समेत विभिन्न विभागों के कार्यों का कच्चा-चिट्ठा देखा गया। डीएम ने टेंडर प्रक्रिया, अब तक खर्च हुए बजट, बची धनराशि और रुके हुए प्रोजेक्ट्स की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने अफसरों को चेताया कि कार्यदायी संस्थाओं से तालमेल बैठाकर तय डेडलाइन में काम निपटाएं। बैठक में एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी, एडीएम (वित्त/राजस्व) संतोष कुमार और पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता भगत सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

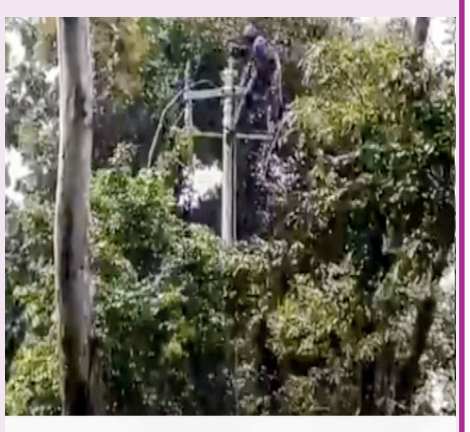

आचार्य पूरनमल का प्रजापति समाज ने किया जोरदार स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं बरेली प्रभारी आचार्य पूरनमल प्रजापति के अलीगढ़ से बरेली आगमन पर प्रजापति समाज ने उनका भव्य स्वागत किया। यूथ वेलफेयर सामाजिक संस्था के संरक्षक एवं इफको आंवला के पूर्व चीफ मैनेजर उमेश प्रजापति और संस्था अध्यक्ष गोविंद सैनी ने मोती महल डीलक्स रेस्टोरेंट में उनका अभिनंदन किया। इस दौरान समाज के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक उत्थान पर गंभीर मंथन हुआ। युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं से जोड़ने, एकजुटता और संगठन को मजबूत करने पर सहमति बनी। आचार्य पूरनमल ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा जब युवा शिक्षित और संगठित होगा। इस मौके पर ओमपाल, रामसेवक, कौशल किशोर, राम सिंह, राजेश, शिवम, प्रताप प्रजापति सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बिजली व्यवस्था चरमराई, चार उपकेंद्रों में भरा पानी, कई इलाकों में आपूर्ति ठप

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। पिछले 24 घंटे से जारी बारिश ने शनिवार को शहर की बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। लगातार बारिश के बीच महानगर, डेलापीर और सुभाषनगर उपकेंद्रों में पानी भरने से तड़के करीब तीन बजे से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इन उपकेंद्रों से जुड़े इलाकों में शनिवार शाम करीब चार बजे तक सप्लाई प्रभावित रही। वहीं किला, डेलापीर और सुभाषनगर समेत करीब आधा दर्जन 33 केवी फीडर 10 घंटे से अधिक समय तक ब्रेकडाउन में रहे। बारिश, जलभराव और फाल्ट के बीच हजारों उपभोक्ता घंटों बिजली संकट से जूझते रहे। विद्युत निगम अधिकारियो के अनुसार, लगातार बारिश के चलते उपकेंद्र परिसर में पानी भरने से बिजली उपकरणों की सुरक्षा का संकट खड़ा हो गया। महानगर, डेलापीर और सुभाषनगर उपकेंद्रों में जलभराव के बाद संबंधित क्षेत्रों की सप्लाई प्रभावित हुई। पानी के बीच विद्युत उपकरणों पर काम करना जोखिम भरा होने के कारण निगम की टीमों को पहले जलभराव कम कराने और सुरक्षा इंतजाम करने पड़े। इससे आपूर्ति बहाल करने में समय लगा।

मेरे सपनों का भारत भाषण प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने लिया भाग

बिलारी। भारत सरकार के तहत संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 25 सितंबर को मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय किसान युवा मोर्चा के रामपुर जिलाध्यक्ष ऋषि कुमार पांडेय रहे। संचालन जन्तुविज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. युशरा बी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमैन हाजी ताहिर हुसैन, अध्यक्ष मौ. जीशान एडवोकेट, प्रबंधक मौ. जैद पाशा, प्राचार्य डॉ. राजेश कपूर, गृहविज्ञान प्रवक्ता डॉ. कहकशां अंसारी, रसायनशास्त्र प्रवक्ता कु. आलिया अंसारी और कार्यालय अधीक्षक संदीप कुमार मौजूद रहे। छात्राओं में अंशु, कुशसाक्षी, शिवानी, सबली, महजबीं, मुस्कान, पल्लवी और फिजा ने भाषण प्रस्तुत किए।

वहीं छात्रों में जितेन्द्र कुमार, अमरेंद्र यादव, फजल हुसैन, अदनान, मो. अनस और रामनिवास ने प्रतिभाग किया। बीएससी संकाय में कु साक्षी ने प्रथम, शिवानी ने द्वितीय, फिजा ने तृतीय, अंशु ने चतुर्थ तथा सबली ने पंचम स्थान प्राप्त किया। बीए संकाय में जितेन्द्र कुमार प्रथम, अमरेंद्र यादव द्वितीय, फजल हुसैन तृतीय, मो. अनस चतुर्थ तथा रामनिवास पंचम स्थान पर रहे। मुख्य अतिथि ऋषि पांडेय ने विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आफाक हुसैन सातवीं बार बने तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। तहसील बार एसोसिएशन बिलारी के चुनाव में अधिवक्ता आफाक हुसैन ने लगातार सातवीं बार अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज कर नया कीर्तिमान बनाया। उन्हें 150 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अजय पाल सिंह को 91 मत प्राप्त हुए। चार मत निरस्त किए गए।

अन्य सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। शनिवार को सुबह से हो रही लगातार तेज बारिश के बावजूद अधिवक्ताओं में चुनाव को लेकर उत्साह बना रहा। अधिवक्ता सामान्य दिनों की तरह तहसील परिसर पहुंचे और मतदान किया। चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा। मतदान स्थल के आसपास बिलारी सर्कल की पुलिस तैनात रही।

मतदान केंद्र के भीतर मोबाइल ले जाने पर रोक रही तथा अधिवक्ताओं को कतारबद्ध कर मतदान कराया गया। एल्डर कमेटी के हाजी कमाल अकबर एडवोकेट और चुनाव अधिकारी नवाब हुसैन एडवोकेट ने सुनील कुमार एडवोकेट आदि के सहयोग से निर्धारित समय सुबह 10 बजे मतदान शुरू कराया। दोपहर तीन बजे तक कुल 253 मतदाताओं में से 245 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। चार मत निरस्त होने के बाद 241 वैध मतों में आफाक हुसैन को 150 और अजय पाल सिंह को 91 मत मिले। इस प्रकार आफाक हुसैन ने 59 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया गया। एल्डर कमेटी के हाजी कमाल अकबर एडवोकेट एवं चुनाव अधिकारी नवाब हुसैन एडवोकेट ने आफाक हुसैन को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। जीत की घोषणा होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। ढोल-नगाड़ों के साथ जुलूस निकाला गया और काफी देर तक तहसील परिसर में नारेबाजी एवं जश्न का माहौल रहा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष के चैंबर पर मिठाई का वितरण किया गया। दूर-दराज से पहुंचे लोगों ने उन्हें बधाई दी। समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष आफाक हुसैन ने कहा कि उन्हें खुशी है कि तहसील के अधिवक्ताओं का स्नेह और समर्थन उन्हें मिला। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, उनका सम्मान और चैंबर विहीन अधिवक्ताओं के लिए उचित भूमि की व्यवस्था उनकी प्राथमिकता रहेगी। सभी अधिवक्ताओं के सहयोग से बार संगठन को और गति प्रदान की जाएगी तथा स्थानीय प्रशासन से सामंजस्य बनाकर अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा।

हाईवे पर सहसपुर में थार ने रौंदा ई-रिक्शा, रिक्शा चालक की मौत

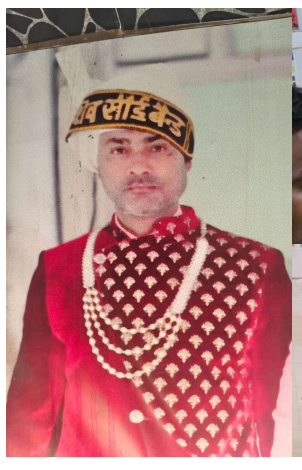

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। सहसपुर में हाईवे पर हुए सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। आयशा मस्जिद के पास सड़क पर पानी भरा रहता है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इसी दौरान तेज रफ्तार थार गाड़ी ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा चालक मोहम्मद नाजिम (42) पुत्र स्वर्गीय बशीरुद्दीन, निवासी रुस्तम नगर सहसपुर, गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौजूद लोगों ने घायल नाजिम को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया गया कि नाजिम नई बस्ती सहसपुर में किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रहते थे। वह किराए पर ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। परिवार में उनकी पत्नी और तीन बेटियां हैं। सबसे बड़ी बेटी की उम्र करीब 17 वर्ष बताई गई है। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत सिरोंज में उद्यम संवाद कार्यक्रम आयोजित

उद्यम संवाद में कलेक्टर ने युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए किया

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आज सिरोंज स्थित आजीविका भवन में उद्यम संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सहभागिता कर सिरोंज तहसील क्षेत्र के उद्यमियों, युवाओं, महिलाओं एवं स्वसहायता समूहों से जुड़े सदस्यों से संवाद किया और उनके अनुभवों एवं कार्यों की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सफल उद्यमियों से उनके व्यवसाय की शुरुआत, सामने आई चुनौतियों और सफलता के अनुभवों के बारे में चर्चा की। उन्होंने उपस्थित युवाओं एवं महिलाओं से कहा कि सफल उद्यमियों के अनुभवों से प्रेरणा लेकर अपनी रुचि, क्षमता और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए अनेक स्वरोजगार एवं आर्थिक कल्याण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। युवा एवं महिलाएं इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ सकते हैं। उन्होंने अपील की कि अधिक से अधिक युवा और महिलाएं स्वरोजगार की दिशा में आगे आएं तथा अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करें। कलेक्टर ने कहा कि सफल उद्यमियों के अनुभव अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकते हैं। आवश्यकता है कि युवा अपनी रुचि और क्षमता को पहचानकर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाएं और रोजगार मांगने वाले बनने के बजाय रोजगार देने वाले बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सिरोंज, नगरपालिका अध्यक्ष श्री मनमोहन साहू, जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं, स्वसहायता समूहों से जुड़ी उद्यमियों तथा विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे उद्यमियों ने सहभागिता की और अपने अनुभव साझा किए। महिला उद्यमियों ने साझा किए सफलता के अनुभव- श्रीमती लीलाबाई जाटव ने बताया-स्व सहायता समूह से जुड़कर बदली परिवार की आर्थिक स्थिति - जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित उद्यमी संवाद कार्यक्रम में महिला उद्यमी श्रीमती लीलाबाई जाटव ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि उन्होंने कक्षा आठवीं तक शिक्षा प्राप्त की है और आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में सफलता हासिल की है। श्रीमती लीलाबाई ने बताया कि स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने घर से ही छोटी सी किराना दुकान शुरू की। इसके बाद सीसीएल ऋण के माध्यम से दोबारा ऋण प्राप्त कर उन्होंने अपनी दुकान का विस्तार किया। वर्तमान में वह एक बड़ी किराना दुकान संचालित कर रही हैं। इसके साथ ही सिलाई का कार्य भी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि दोनों व्यवसायों से उन्हें प्रतिमाह लगभग 20 से 22 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इससे परिवार के दैनिक खर्चों को पूरा करने में काफी मदद मिल रही है। आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ उनके बच्चों को भी बेहतर स्कूलों में शिक्षा दिलाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि स्व सहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बना है।श्रीमती रामबाई जाटव ने साझा की आत्मनिर्भर बनने की कहानी - उद्यम संवाद कार्यक्रम में ग्राम चौड़ा खेड़ी की महिला उद्यमी एवं हितग्राही श्रीमती रामबाई जाटव ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि एक समय उनके पास आय का कोई स्थायी साधन नहीं था। स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल स्वयं आर्थिक गतिविधियां शुरू कीं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी समूह से जोड़ने का कार्य किया। श्रीमती रामबाई ने बताया कि उन्होंने क्रमशः 10 हजार, 20 हजार, 50 हजार, 1 लाख और 2 लाख रुपये तक के ऋण प्राप्त किए। इन ऋणों का उपयोग करते हुए उन्होंने मुर्गी पालन, बकरी पालन और किराना दुकान का व्यवसाय शुरू किया। वर्तमान में वह मुर्गी एवं बकरी पालन के साथ-साथ किराना दुकान का संचालन भी कर रही हैं। इन गतिविधियों से उन्हें अच्छी आय प्राप्त हो रही है और वह अपने परिवार के खर्चों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने बताया कि स्व सहायता समूह और ऋण सुविधा के माध्यम से उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

कपिल रजक- पीएम स्व निधि योजना अंतर्गत लाभान्वित सिरोंज क्षेत्र के हितग्राही श्री कपिल रजक ने भी उद्यम संवाद कार्यक्रम में अपने अनुभव सांझा किये उन्होंने कहा कि पीएम स्व निधि स्वरोजगार के लिए बेहतर योजना है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने घर में इलेक्ट्रीशियन से संबंधित कार्य की छोटी सी दुकान शुरू की थी इसके लिए उन्होंने पहले 10000 का ऋण प्राप्त किया था जिसे जमा करने के बाद उन्हें 20000 का ऋण प्राप्त हुआ इसके उपरांत उन्होंने 20000 का ऋण भी जमा कर दिया अब उन्होंने 50000 रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया है वह बताते हैं की योजना तहत मिली राशि से उनकी छोटी सी दुकान के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में बहुत मदद मिली है उन्होंने अन्य युवाओं से भी पीएम स्व निधि योजना का लाभ लेकर स्वरोजगार की तरफ अग्रसर होने का आव्हान किया।

संक्षिप्त समाचार

गलत खाते में पहुंची 20 हजार की रकम, बरेली पुलिस ने लौटाई

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। आंध्र प्रदेश निवासी सिद्धार्थ द्वारा ऑनलाइन भेजी जा रही धनराशि गलती से दूसरे खाते में ट्रांसफर हो गई। शिकायत मिलने पर बरेली पुलिस ने तकनीकी जानकारी के आधार पर संबंधित व्यक्ति को ट्रेस किया। चौकी प्रभारी मलूकपुर ने पूछताछ एवं जांच के बाद शिकायत की पुष्टि की, जिसके उपरांत पुलिस ने पूरी 20,000 की धनराशि शिकायतकर्ता को वापस करा दी। रकम वापस मिलने पर सिद्धार्थ ने वीडियो संदेश के माध्यम से बरेली पुलिस की तत्परता और सहयोग के लिए दिल से आभार जताया।

मूसलाधार बारिश से धान और उड़द की फसल को नुकसान

तेज हवा से गन्ने की फसल गिरने लगी

बिलारीक्यूँ न लिखूँ सच / । शुक्रवार की रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से तहसील क्षेत्र में धन और उड़द जैसी फसलों को नुकसान पहुंचा है। सब्जियों सहित अन्य फसलें भी प्रभावित हुई हैं। फसलों को नुकसान होने से किसान चिंतित हैं, क्योंकि धान की कटाई शुरू हो चुकी है और कुछ फसल कटी हुई पानी में डूब गई है। तहसील क्षेत्र में धान और गन्ने की खेती प्रमुख रूप से की जाती है। इसके अलावा बड़ी संख्या में किसानों ने उड़द के साथ भिंडी, लौकी और तोरी आदि सब्जियों की भी खेती कर रखी है। शुक्रवार रात बारिश हल्की रही, लेकिन शनिवार सुबह से ही तेज बारिश शुरू हो गई। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। चौधरी अखिल कुमार, रईस अहमद, अशोक कुमार, रमेश सिंह यादव आदि किसानों के अनुसार धान की फसल को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। बारिश के कारण कई खेतों में धान की फसल प्रभावित हुई है। वहीं उड़द और सरसों की फसल को भी नुकसान बताया जा रहा है। सब्जियों की फसल पर भी बारिश का असर पड़ा है। किसानों का कहना है कि यदि तेज हवाओं का सिलसिला जारी रहा तो खेतों में खड़ी गन्ने की फसल के गिरने का खतरा बढ़ जाएगा। इससे गन्ने के उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। तेज रफ्तार से पहाड़ी हवा भी चलती रही।

पितृपक्ष प्रारंभ, पितरों के तर्पण और श्राद्ध का बताया महत्व

समोदिया क्यूँ न लिखूँ सच /। भाद्रपद पूर्णिमा से शनिवार को 16 दिवसीय पितृपक्ष प्रारंभ हो गया। इस अवसर पर डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगर रामपुर में प्रातःकालीन वंदना सभा में प्रधानाचार्य एवं साहित्याचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने भैया-बहनों और आचार्य परिवार को पितृपक्ष के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शास्त्र एवं पंचांग के अनुसार भाद्रपद पूर्णिमा तथा आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की तिथियों में पितरों के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान का विधान है। हिंदू धर्म में जिन पूर्वजों, माता-पिता अथवा दादा-परदादा का निधन जिस तिथि को हुआ हो, उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म करने की परंपरा है। उन्होंने कहा कि विद्वान आचार्य एवं ब्राह्मण के मार्गदर्शन में पिंडदान और तर्पण कर पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की जाती है। पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने कहा कि सनातन धर्म में पितरों की शांति, मोक्ष और मुक्ति की कामना से वर्ष में एक बार निश्चित तिथि अथवा पितृ विसर्जनी अमावस्या के दिन श्राद्ध एवं पिंडदान करने की परंपरा है। इस दौरान ब्राह्मण, संत-महात्मा और जरूरतमंदों को भोजन कराकर वस्त्र एवं अन्य सामग्री का दान-पुण्य करने का भी महत्व बताया गया है। इस अवसर पर बृज किशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह, उमेश कुमार, प्रेमपाल, संजय सिंह, विजेंद्र सिंह, गौरव सिंह, दिलीप कुमार, धर्मेंद्र कुमार, प्रकाश बाबू, हरि सिंह दिवाकर, सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य, विनीता और पूजा टैगोर उपस्थित रहीं।

बार एसोसिएशन में अन्य पदों पर निर्विरोध निर्वाचन तय

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। तहसील बार एसोसिएशन बिलारी के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए मतदान के बाद अन्य सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए अब्दुल कुद्दूस, महासचिव पद के लिए परमजीत सिंह तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए शिवानी ने नामांकन कराया है। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए फहीमुद्दीन, अभिषेक शर्मा और राहुल देव ने नामांकन किया। संयुक्त सचिव पद के लिए मोहम्मद उस्मान, इकबाल अहमद, बुशरा सुल्तान और विजय वीर सिंह ने नामांकन कराया। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए मोहम्मद तबरेज खान, मोहित सिंह, वेदराम, अवधेश कुमार शर्मा, मनोज कुमार और संदीप कुमार ने नामांकन किया। कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए रवि कुमार, सना रियाज, जितेंद्र नायक, साजिद मलिक और अनुभव शर्मा ने नामांकन कराया है। सभी पदों पर एक-एक नामांकन होने के कारण इनका निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है।

बारिश का कहर: जालौन में बहा निर्माणाधीन पुल का अस्थायी रास्ता, ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट

शहर के रगौली गांव में निर्माणाधीन पुल के लिए बनाया गया अस्थायी पुल बारिश के चलते बह गया। इससे ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट खड़ा हो गया है।

इस रास्ते से करीब दो हजार लोगों का रोजाना आवागमन होता है। अस्थायी पुल बह जाने से लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश के कारण अस्थायी पुल बह गया। इससे ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। पुल से होकर गुजरने वाले लोगों को अब परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों को जरूरी कामों के लिए भी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पुल का काम जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बारिश बनी आफत: नई बस्ती में घरों में घुसने को तैयार पानी, खेतों में फसलें चौपट

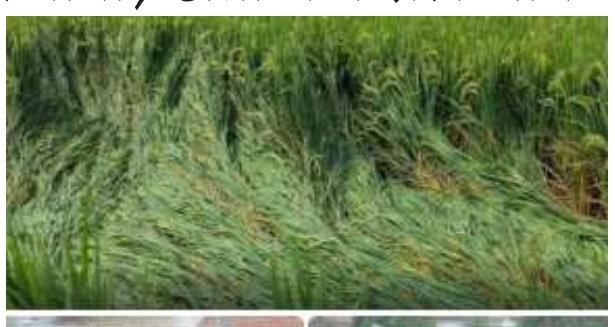

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। लगातार हो रही बारिश अब लोगों और किसानों के लिए आफत बनती जा रही है। माली मोहल्ले की नई बस्ती में जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त होने से बारिश का पानी घरों की दहलीज तक पहुंच गया है। हेमपाल ड्राइवर, बबलू कुम्हार, विपिन मौर्य और बकील साहब सहित अन्य घरों में पानी घुसने की स्थिति बनी हुई है। हालात यह हैं

कि लोगों को अपने घरों तक पहुंचने के लिए पानी में होकर गुजरना पड़ रहा है। बस्ती में जल निकासी के रास्ते बंद होने से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो पानी घरों के अंदर घुस जाएगा। जलभराव के कारण लोगों में चिंता बढ़ गई है। लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है।लगातार बारिश ने किसानों की मेहनत पर भी पानी फेरना शुरू कर दिया है। खेतों में पानी भरने से चरी की फसल डूब गई है, जबकि धान की फसल खेतों में गिर गई है। कई खेतों में गन्ना भी गिरने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।मिर्च की फसल की रोपाई का समय भी चल रहा है। किसानों का कहना है कि खेतों में लगातार पानी भरा रहा तो नई लगाई जा रही मिर्च की फसल सूखकर खराब हो सकती है।

पूरे दिन बिजली गुल, कस्बे सहित सैकड़ों गांवों मे लोग परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। बारिश के बीच फतेहगंज पश्चिमी विद्युत उपखंड क्षेत्र में पूरे दिन बिजली गुल रहने से जनजीवन बेहाल रहा। कस्बा फतेहगंज पश्चिमी के साथ ठिरिया खेतल, उनासी, मनकरी, सिरसा जागीर, रहपुरा जागीर, टीहर खेड़ा, माधोपुर, रसूला चौधरी, मीरापुर, खिरका जगतपुर, रफियाबाद, पिथुपुरा समेत सैकड़ों गांवों में लोग बिजली के लिए तरसते रहे। सुबह से आपूर्ति ठप रहने के कारण घरों के इनवर्टर जवाब दे गए। मोबाइल फोन की बैटरियां खत्म होने से लोगों को जरूरी संपर्क करने में भी परेशानी हुई। पूरे दिन बिजली का इंतजार करने के बाद शाम होते ही कई घरों में अंधेरा छा गया। बारिश के बीच बिजली गुल रहने से घरेलू कामकाज भी प्रभावित रहा। लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान बिजली कटौती से परेशानी कई गुना बढ़ जाती है। पूरे दिन आपूर्ति बहाल नहीं होने से लोगों में नाराजगी रही। क्षेत्रवासियों ने विद्युत विभाग से फाल्ट का तत्काल पता लगाकर आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।

अमरिया के करगैना क्षेत्र में भव्य सिख सम्मेलन का आयोजन, सिख समाज ने लिया भाजपा के साथ चलने का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / सुमित गुप्ता / अमरिया/पीलीभीत। मंडल अमरिया के *करगैना स्थित खोजी ग्रीन मैरिज हॉल में आज भारतीय जनता पार्टी द्वारा भव्य सिख सम्मेलन का आयोजन किया गया।सम्मेलन में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्री संजय सिंह गंगवार जी ने शिरकत की। उन्होंने सिख समाज को संबोधित करते हुए कहा कि सिख समाज देशभक्ति, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। भाजपा सरकार हमेशा सिख समाज के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ी है। इस दौरान मंच पर सिख समाज के वरिष्ठ बुजुर्गों को पीले पटके पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में सिख समाज के लोग मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन कर रहे महेश कश्यप ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह उर्फ श्याम सिंह प्रधान परविंदर सिंह उर्फ प्रेंस मंडल अध्यक्ष प्रमोद कश्यप मण्डल महामंत्री चेतराम वर्मा मंडल की टीम एवं मीडिया प्रभारी बुद्धसेन कश्यप व भाजपा के कार्यकर्ता एवं सम्मानित सदस्य भी मौजूद रहे

विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर प्रशासन सख्त

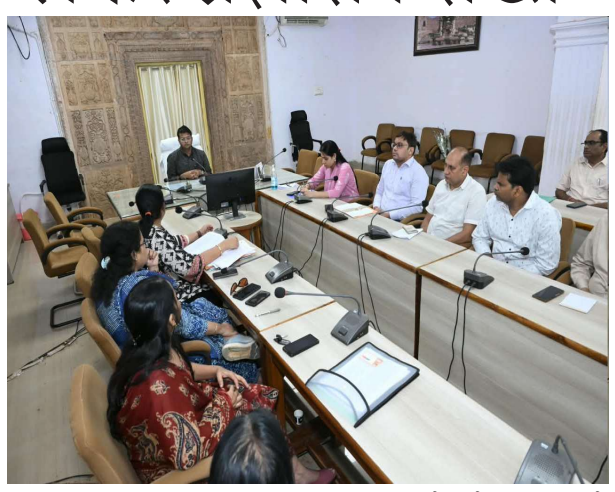

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और समग्र कल्याण को लेकर जिला प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स एवं जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षित और सहयोगात्मक वातावरण सुनिश्चित करने के साथ विद्यार्थियों में तनाव एवं मानसिक दबाव की समय रहते पहचान कर सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा शैक्षणिक संस्थानों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जिला टास्क फोर्स एवं निगरानी समिति को केवल औपचारिक समिति न रखते हुए विद्यार्थियों के हित में सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में एंटी-रैगिंग समितियों को सक्रिय रखने, समान अवसर प्रकोष्ठ को प्रभावी बनाने तथा कोचिंग संस्थानों के लिए जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए। कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों की निरंतर निगरानी कर विद्यार्थियों पर अनुचित दबाव को कम करने पर भी जोर दिया गया। तनाव प्रबंधन पर होंगी कार्यशालाएं- कलेक्टर ने महाविद्यालयों एवं संबंधित विभागों को विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और भावनात्मक संतुलन विषय पर नियमित कार्यशालाएं एवं सेमिनार आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और परामर्शदाताओं की सेवाएं उपलब्ध कराने को कहा। 14416 पर मिलेगी मानसिक स्वास्थ्य सहायता- बैठक में टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 एवं 1-800-891-4416 का महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए विशेषज्ञ सलाह उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हेल्पलाइन की जानकारी अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। नोडल अधिकारी डॉ. शालिनी राय ने एंटी-रैगिंग समितियों की भूमिका और विद्यार्थियों को शिकायत व्यवस्था के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता बताई। बैठक में शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य, समिति सदस्य तथा मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे।

बारिश की सीलन से स्कूल की दीवारों में दौड़ा करंट, बिजली सप्लाई बंद

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। लगातार हो रही बारिश के बीच उच्च प्राथमिक विद्यालय औंध की दीवारों में करंट उतरने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि शनिवार को विद्यालय में अवकाश होने के कारण बच्चे मौजूद नहीं थे। जानकारी होने पर प्रधानाध्यापक राहुल यदुवंशी ने तत्परता दिखाते हुए विद्यालय की बिजली सप्लाई तत्काल बंद करा दी।बताया गया कि बारिश के कारण विद्यालय की दीवारों में सीलन आ गई थी। इसी दौरान दीवारों में करंट महसूस होने की जानकारी मिली। प्रधानाध्यापक ने काफी प्रयास कर विद्युत फॉल्ट तलाशने की कोशिश की, लेकिन फॉल्ट का पता नहीं चल सका। इसके बाद सुरक्षा को देखते हुए मुख्य केबिल से जुड़ा कटआउट निकलवाकर विद्यालय की विद्युत सप्लाई पूरी तरह बंद करा दी गई। प्रधानाध्यापक ने बताया कि फिलहाल विद्यालय सुरक्षित है। सोमवार को बारिश रुकने और दीवारों की नमी कम होने के बाद विद्युत लाइन में फॉल्ट तलाशने का कार्य कराया जाएगा। तब तक विद्यालय की बिजली सप्लाई बंद रहेगी।प्रधानाध्यापक की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। यदि अवकाश के दिन के बजाय विद्यालय संचालित होने के दौरान दीवारों में करंट उतरता तो बच्चों और स्टाफ की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था।

बारिश से कई इलाकों में गिरे घर-दीवारें, बीकेटी में किसान की मौत; मलिहाबाद में एक परिवार के तीन जखमी

लखनऊ में बारिश से कई इलाकों में घर व दीवारें गिर गईं। हादसे में बीकेटी में किसान की मौत हो गई। जबकि, मलिहाबाद में एक परिवार के तीन लोग जख्मी हो गए।

राजधानी लखनऊ सहित आसपास के इलाकों में दो दिन से लगातार हो रही बारिश से कच्चे मकानों के गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। शनिवार को सात मकानों की दीवारें गिर गईं। मलबे में दबकर किसान की मौत हो गई। जबकि, एक ही परिवार के तीन लोग जख्मी हो गए।

पुलिस के मुताबिक, बख्शी का तालाब के भौली गांव में 12:30 बजे बारिश के बीच पुराने कच्चे मकान की कोठरी गई। मलबे में बजरंग यादव (65) दब गए। पड़ोसियों और परिजनों ने आनन फानन मिट्टी हटाकर 30 मिनट में उनको बाहर निकाल सके, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। वह बक्सा उठाने कोठरी के अंदर गए थे।

मदद के लिए राजस्व विभाग की टीम कार्य कर रही सूचना पर पुलिस और तहसील की टीम घटनास्थल पर पहुंची। मृतक के परिवार में पत्नी माया, दो बेटे आशीष और सुनील हैं। चार बेटियों की शादी हो चुकी है। पीड़ित परिवारों की मदद के लिए राजस्व विभाग की टीम कार्य कर रही है।मलिहाबाद क्षेत्र के चैना मजरे रूसेना गांव में शनिवार दोपहर लगभग 1.00 बजे कच्ची कोठरी की दीवार पलटने से उसके नीचे बैठे किसान सुरेश (50) और उनकी बेटी सलोनी (20) व बेटा रजनीश (24) मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों लोगों को लखनऊ ट्रॉमा रेफर कर दिया गया इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने ग्रामीणों की मदद दबे हुए तीनों लोगों निकालकर सीएचसी, मलिहाबाद भर्ती कराया। हालत गंभीर देखते हुए तीनों को लखनऊ ट्रॉमा रेफर कर दिया गया। इसमें सुरेश की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सुरेश की मां मालती ने बताया कि वह पड़ोस के घर में किसी कार्य के लिए गई थी। जबकि, सुरेश की पत्नी संडीला अपनी विवाहित बेटी को अस्पताल में देखने गई थी। घायल तीनों लोग तेज बारिश के कारण कोठरी के अंदर बैठे थे। तभी अचानक कोठरी की दीवार गिर गई। तीनों की चीख सुनकर पड़ोसी और ग्रामीण भागे। उन्होंने मिट्टी के अंदर से काफी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला। सुरेश का पूरा घर कच्चा है जो काफी जर्जर हो चुका है। कई बार आवास के लिए आवेदन किया, लेकिन नहीं मिल सका। राजस्व टीम ने प्रशासन को भेजी रिपोर्ट- राजस्व निरीक्षक जसवंत कुमार और लेखपाल प्रशांत ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को भर्ती कराया गया है। परिवार को आर्थिक मदद के लिए रिपोर्ट तैयार करके शासन को भेजी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

थनरा पुलिस की अवैध शराब पर कार्रवाई, 180 लीटर कच्ची शराब जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ दिनारा। अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थनरा चौकी पुलिस ने ग्राम उटवाहा के हार में कार्रवाई करते हुए 180 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 26 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम उटवाहा में नरिया के पास अवैध रूप से हाथ भट्टी से कच्ची शराब का निर्माण एवं विक्रय किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी, जहां गजेन्द्र उर्फ कलुआ परिहार (25), निवासी ग्राम उटवाहा और विकास उर्फ विक्की परिहार (22), निवासी ग्राम चंदावरा कथित रूप से कच्ची शराब बनाते मिले।पुलिस ने दोनों से शराब निर्माण एवं विक्रय संबंधी लाइसेंस मांगा, जो उनके पास नहीं होना बताया गया। मौके से तीन कैनों में कुल 180 लीटर कच्ची शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 18 हजार रुपए बताई गई, जब्त की गई। इसके अलावा शराब बनाने में प्रयुक्त लोहे का ड्रम, बड़ी परात, दो खाली ड्रम और प्लास्टिक लेजम लगी प्लेट भी जब्त की गई।पुलिस के मुताबिक जब्त सामग्री सहित कुल मशरूका की अनुमानित कीमत 26 हजार रुपए है। मौके पर मिली लहान को नष्ट कराया गया। मामले में थाना दिनारा में अपराध क्रमांक 234/26, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं एसडीओपी करैरा विनायक शुक्ला के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी दिनारा उपनिरीक्षक रविन्द्र सिंह कुशवाह, चौकी प्रभारी थनरा उपनिरीक्षक अनुराधा सिंह सहित पुलिस स्टाफ की भूमिका रही।

शिवपुरी में सोमवार को महिला आयोग की विशेष जनसुनवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। महिलाओं से जुड़ी शिकायतों के निराकरण और उन्हें सुरक्षा, सम्मान एवं न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 28 सितंबर, सोमवार को शिवपुरी में विशेष जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जनसुनवाई सुबह 10 बजे से सर्किट हाउस शिवपुरी में शुरू होगी। जनसुनवाई में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर मुख्य रूप से उपस्थित रहकर पीड़ित एवं प्रभावित महिलाओं की शिकायतें सीधे सुनेंगी। इस दौरान महिला प्रताड़ना, दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म, यौन शोषण तथा कार्यस्थल पर उत्पीड़न से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र ने बताया कि जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनना और संबंधित मामलों में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रभावी हस्तक्षेप सुनिश्चित करना है। अधिकारी और कानूनी विशेषज्ञ रहेंगे मौजूद- जनसुनवाई के दौरान प्रशासन, पुलिस एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा कानूनी विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे। प्राप्त शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू करने के लिए विभागों के अधिकारियों को भी उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। दस्तावेज लेकर पहुंचने की अपील- महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले की पीड़ित एवं प्रभावित महिलाओं से अपील की है कि वे अपनी समस्या से संबंधित आवेदन एवं उपलब्ध दस्तावेजों के साथ 28 सितंबर को सुबह 10 बजे सर्किट हाउस पहुंचकर जनसुनवाई का लाभ लें।

World Contraception Day: How do birth control pills work? Learn about their benefits, disadvantages, and important precautions.

On World Contraception Day, learn about how birth control pills work, their benefits, potential side effects, and important precautions when taking them. World Contraception Day is

celebrated every year on September 26th. The day aims to raise awareness about different methods of contraception and safe family planning. Birth control pills are an effective method used to prevent unwanted pregnancy, but there are many misconceptions about them. According to the WHO, most women can safely use oral contraceptives, but the choice of contraceptive may vary depending on a person's health status. Therefore, it is important to consult a health professional before starting the pill. In this article, we will provide detailed information about these. How do birth control pills work? There are two main types of birth control pills. Combined oral contraceptives contain both estrogen and progestin, while progestin-only pills contain only progestin. They primarily reduce the chance of pregnancy by preventing or altering ovulation and thickening cervical mucus. Benefits of birth control pills: They help prevent unwanted pregnancy. They may help reduce cramps and heavy bleeding during periods. Some women may experience improvement in some symptoms associated with acne and PCOS. Long-term use of some birth control pills may reduce the risk of ovarian and endometrial cancer. Fertility usually returns quickly after stopping the pill. Are there any disadvantages or side effects? Some women may experience nausea, headaches, dizziness, mood swings, breast tenderness, or changes in menstrual patterns after taking the pill. In many cases, these problems subside over time. Some estrogen-containing pills may, in very rare cases, be associated with serious risks such as blood clots, stroke, or heart attack. Therefore, it is not necessary that a single birth control pill is suitable for every woman. Your doctor can help you choose the right option based on your individual health situation. What to keep in mind: It's important to take birth control pills as directed by your doctor. While the pill helps prevent pregnancy, it doesn't protect against STIs and HIV. Emergency contraceptive pills should always be considered different from daily contraceptive pills.

Don't feel a lump in your breast, but could it be breast cancer? Pay attention to these signs too.

Breast cancer isn't just diagnosed by a lump. Ingrown nipples, dimpling or redness in the skin, changes in breast shape, unusual discharge, a lump in the armpit, and persistent pain are also signs to look out for. Breast cancer is the most common cancer among women worldwide. According to the World Health Organization, an estimated 2.4 million new cases are diagnosed each year, and 694,000 people die. Health experts say that breast cancer should not be mistaken for a problem that only comes with aging. Younger women, even those under 30, can be at risk. Since this cancer is prevalent in women of all ages, all young women should regularly examine their breasts. If they notice anything unusual, consult a doctor immediately. When most women hear the word breast cancer, the first thing that comes to mind is a lump in the breast. Health experts say that a lump in the breast is definitely a serious sign that should be addressed promptly. However, in many cases, even if there is no lump in the breast, you may still be at risk for cancer. Breast Lump Problems: Health experts say that sometimes, when breast cancer occurs, a lump is not felt, but other changes in the body may be visible. Inward retraction of the nipple, dimpling of the breast skin, a sudden change in breast size, or fluid discharge from the nipple are also signs that you are at risk. Persistent pain or a new lump in any part of the breast does not necessarily mean you have cancer. Many non-cancerous conditions can also cause these symptoms. Therefore, any unusual breast condition should be taken seriously. Is there a change in the nipple? Many breast cancer patients may experience symptoms such as sudden inward retraction of the nipple, redness, or crusting of the skin around the nipple. Sometimes, changes such as non-milk discharge from the nipple may also be observed. If blood is visible along with nipple discharge, consult a doctor immediately. However, this may not always be a sign of cancer. Pay close attention to these signs: dimpling of the breast skin, thickening or swelling, or changes in its texture. A sudden change in breast size is also considered a warning sign, warranting a medical examination. A new lump or swelling in the armpit, or persistent pain in any part of the breast, should also not be ignored. Early detection of these signs can help prevent the progression of the disease or reduce any serious risks. Health experts say that if you notice any unusual changes in your breasts, consult a doctor. Screening mammograms can detect cancers that cannot be felt at present. Early detection of cancer increases the chances of avoiding serious risks.

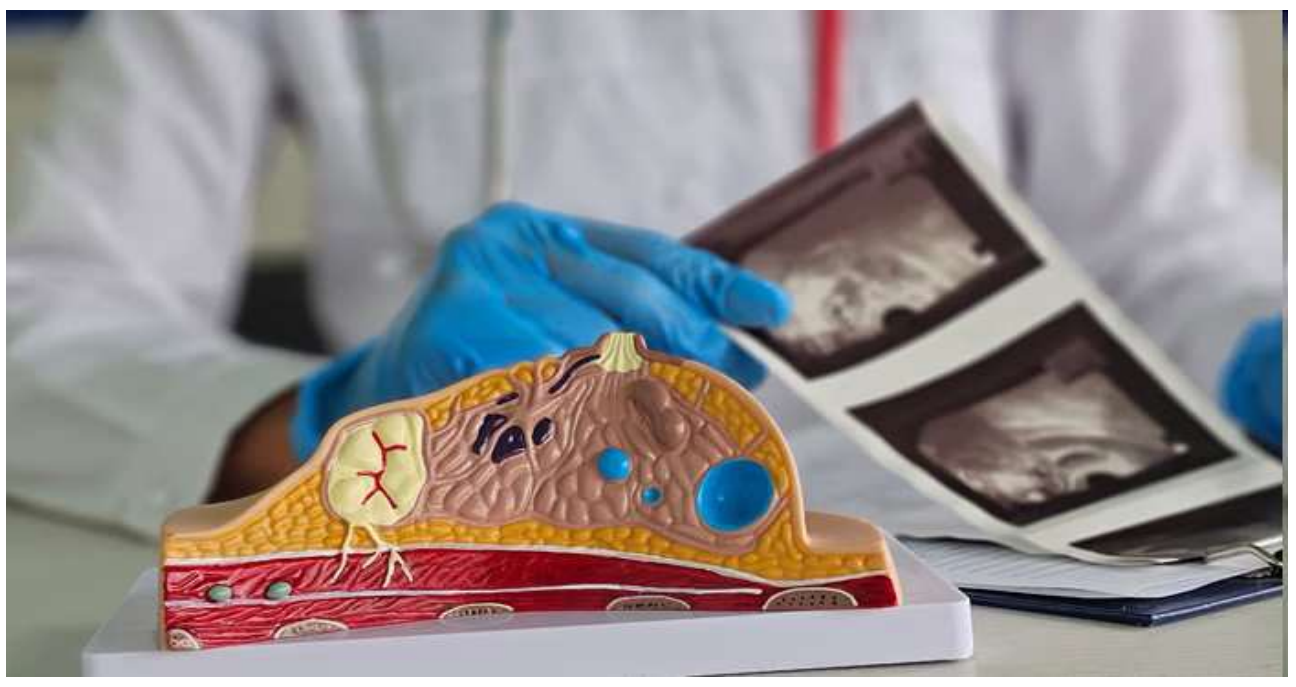

The world of AI: Human-like singing vegetables and dancing coffee—why does the brain love such strange reels?

Reels featuring dancing coffee, singing toilets, and human-like talking objects attract attention because they feature unexpected and fun visuals. While they may provide temporary stress relief, constant scrolling can impact sleep, concentration, and daily activities. In this era of artificial intelligence (AI), many tasks are now being accomplished in a jiffy with the help of tools. Whether it's understanding long files in simple language or finding information about doctor's prescriptions and medications, creatively editing photos, or making funny videos, AI has made everything incredibly easy and a snap. While AI tools are considered very useful, some experts are also warning about the dangers of using them. In a recent report, we warned about how using AI to support mental health can worsen the problem, in some cases even increasing suicidal thoughts. This is why health experts worldwide are urging the restrained use of AI. Another example of AI is seen these days in Reels on social media. Such Reels are rapidly going viral on social media, showing coffee cups dancing, toilets singing, fruits talking like humans, or everyday objects given strange faces and voices. These videos may seem absurd, but millions of people pause to watch them for a few seconds, laugh, and share them further. The era of bizarre content on social media—the specialty of these videos—is that they don't require a story to be understood. Something appears on the screen that the mind wouldn't have expected. Seeing coffee suddenly dancing or hearing a toilet singing are similar unexpected experiences. Such new and strange things can immediately grab attention. Then, fun sounds, vibrant content, colorful visuals, and short videos of just a few seconds can keep you watching until the end. Health experts say there's another psychological factor at play. Throughout the day, our brains constantly absorb information, juggling studies, work, household chores, and other responsibilities. Watching fun reels without much thought can provide a temporary distraction. Laughter and entertainment can help provide temporary stress relief. Therefore, people may view such reels as a mental break. But the problem begins when a few seconds of entertainment turns into hours of scrolling. After watching one reel, the second, and then the third, continues automatically. The habit of constantly watching short, stimulating videos can impact attention, sleep, and daily activities. The brain gets a serotonin boost. Health experts say that such enjoyable reels are becoming an important part of people's lives after returning home from work. People start with one Reel, but the serotonin boost it provides to the brain creates a feeling of happiness and relaxation. This can lead to hours of watching Reels, one after the other, and hours can pass. Especially at night, watching Reels and using your phone for extended periods can disrupt sleep. Health experts say that watching dancing coffee or singing vegetables isn't in itself a cause of mental illness. The real question is how much social media use you're using and whether it's affecting your sleep, studies, work, relationships, or mood. What do experts say? Watching Reels for entertainment is fine, but if you find it difficult to put your phone down or feel restless without scrolling, it's important to consider your social media habits. Dr. Maxi Heitmeyer and Anna Götzfried, digital culture researchers at Rowan University in the US, conducted a study to understand its effects. Based on conversations with young people aged 13 to 26, it concluded that this could be a form of unconscious rebellion against the world of social media, where every post is driven by the desire to gain user attention and monetize. When everything is content, brain rot is anti-content. Young people say that most social media posts generally demand something from them—to buy something, learn something, or show off. Irrational reels are the opposite; they don't demand anything from them. According to young people, when everything has become content, brain rot is the anti-content. According to the study, after hours of scrolling through algorithm-driven timelines, young people become tired and less selective. Consequently, they simply consume the content presented without much thought. While this habit may increase screen time in the long run, it may also risk impacting cognitive ability in some cases.

Sunita Ahuja: 'My home is falling apart,' Govinda's wife appeals to Gen-Ji and women amid rumors of an affair.

Amidst ongoing speculation about Govinda's alleged relationship with his co-star Rani Swarnkar, Sunita Ahuja has once again spoken out about their relationship. Sunita has been vocal about the turmoil in her marriage for quite some time. During a recent visit to the historic Dakshineswar Kali Temple near Kolkata, Sunita opened up about the difficulties in her personal life. She appealed to women, Gen-Ji audiences, and the media for support. Govinda and Rani's relationship remains unconfirmed. Rumors surrounding Govinda and Rani have not been confirmed. Neither Govinda nor Rani have publicly acknowledged any alleged relationship. Why did Sunita visit the temple? Speaking outside the Dakshineswar Kali Temple in West Bengal, Sunita said she had come to the temple to seek the blessings of Goddess Kali and pray for relief from the difficulties in her life. She also urged the media not to promote those who are trying to gain attention through this controversy. She said, "I have come to Dakshineswar Temple today to seek the blessings of Goddess Kali. As you all know, Goddess Kali destroys demons. There are some demons in my life too. I have come here to pray to the Goddess to destroy them as well." What is Sunita's appeal? - After this, Sunita directly appealed to the media not to support or promote this controversy. She said, "I request with folded hands to the media, not to support those who are trying to gain publicity by coming to go through all this, what them. If your daughter or daughter-in-law had women - Sunita also asked would you do?" She also appealed to youth and during this difficult time in her women and Zen-G viewers to support her Zen-G youth and women, life. She said, "I want you all to support me. All not right." My home is falling apart for no reason. I want all you women to speak up for me and support me. I want the young people to speak up for me too." These recent developments please support me. What is happening to me is about Govinda and Sunita, who were seen with Rani, come after Govinda visited Lalbaugcha Raja with Rani. They were photographed seeking blessings from Bappa at the pandal. Govinda clarified: Earlier, speaking to ANI, Govinda addressed the speculation surrounding his personal life. The actor stated that his visit was work-related and dismissed rumors about his relationship with Rani. He claimed that attempts were being made to distance him from his family and defame him. He called these incidents a deliberate conspiracy and said that he has been focusing on his work. Regarding his relationship with Rani, Govinda maintained that theirs is a professional one. He explained that he went to Lalbaugcha Raja to seek blessings for Rupa.

Bigg Boss 20: Riti Tiwari is being heavily trolled for using abusive language against Uditi and Qazi, with users taunting her in this manner.

Bigg Boss 20 contestant Riti Tiwari, Manoj Tiwari's daughter, has been in the news for using abusive language. Uditi's team has responded to the matter, and users have expressed support for Qazi. Salman Khan's show "Bigg Boss 20" is in the news. Qazi Tauqeer was previously in the news on the show. Now, Riti Tiwari is in the news. Recently, contestant Riti Tiwari made objectionable remarks against Uditi Singh and Qazi Tauqeer. Uditi's team has now responded to the controversy, and users have come out in support of Qazi Tauqeer. Uditi's team responded: Uditi's team shared a poster of the Diss Battle on social media and criticized Riti's choice of words. Comparing it to Manoj Tiwari's time on Bigg Boss, she wrote, "Papa endured everything in his season, yet maintained his class and dignity. When my daughter faced a diss battle, my dictionary went blank. Name's Tiwari, preparation for the mic? Just abuse after abuse." Riti's abusive language. This post comes after a bizarre incident inside the Bigg Boss house, where a rap challenge between contestants went beyond a typical roasting. Uditi initially refused to continue the task, after which Qazi intervened. But the situation changed when Riti allegedly used abusive language towards both of them. Qazi complained to Riti's father, and Uditi was upset and eventually left. Meanwhile, Qazi was unwilling to ignore these comments. He questioned where the Lakshman Rekha should be during such a task. He said, "There's a limit to roasting. Won't I get angry?" Later, looking directly into the camera, she said to Manoj Tiwari, "Look at your daughter, this is not right." Reeti has no regrets - However, Reeti did not regret her performance. After the battle, she told Captain Kushal Tanwar (Gullu), "I did a great job." Gullu disagreed with her on one point. He said that using abusive language was not right. Qazi Tauqeer receives support from users - Qazi Tauqeer has received support from users in this matter. Users are trolling Reeti Tiwari for using abusive language, while others are praising Qazi Tauqeer for his calmness and patience. Users made this demand - This led to further criticism online, and some viewers asked host Salman Khan to address the issue on "Weekend Ka Vaar." One viewer wrote, "Only Dolly Bindra can fix him now." Another commented, "How dare you threaten someone on national television?" Another user tagged Salman Khan and wrote, "Only you can handle him and show this nepo kid his place." A viewer called Reeti's comments against Uditi and Qazi unacceptable and wrote, "Kick him out." Who is Reeti Tiwari? Reeti Tiwari is the daughter of Manoj Tiwari. The actor was previously a contestant on "Bigg Boss 4." Manoj Tiwari is an actor-politician and has also been associated with the Bhojpuri film industry. Reeti is now making her mark on "Bigg Boss 20," but her recent rap battle has landed her at the center of controversy.

Indian Idol 17: Himesh Reshammiya returns to the singing reality show, makers make a big announcement; glimpse of the new season revealed

Popular singer and music composer Himesh Reshammiya is set to return as a judge on the singing reality show "Indian Idol." Find out what the story is all about. Sony Entertainment Television has released a new promo for the upcoming 17th season of "Indian Idol," revealing Himesh's return. The new season is being touted as a special and significant chapter for the show. Himesh Reshammiya returns for "Indian Idol 17" - Himesh Reshammiya has a long association with "Indian Idol," having served as a judge on several seasons of the show. His unique style and encouragement of the contestants have been well-received by audiences. Now, with his return in season 17, his familiar style will once again be seen on the judging panel. The show's biggest historical new season - The official promo of the show, released on September 25th, gave a glimpse of the new season. This promo emphasizes continued success and progress in the competition. Along with the promo, the makers wrote, "Winning just once isn't enough; you have to win again and again. Get ready for the biggest historical new season of Indian Idol, only on Sony Entertainment Television and Sony Liv." What will be special about 'Indian Idol 17'? 'Indian Idol 17' will give new and talented singers from across the country a chance to showcase their talent. Auditions and preparations for the new season have already begun. The show will air on Sony Entertainment Television and will also be streamed on Sony Liv.